पावन पथ

(काशी)

प्रस्तावना

वेद, पुराण, उपनिषद आदि प्रमाणित ग्रन्थों में काशी का उल्लेख मिलता है, जिसमें काशी को हिन्दू धर्मो में सर्वाधिक पवित्र नगरों में से एक माना गया है। विश्व की प्राचीनतम नगरी काशी को देश की सांस्कृतिक राजधानी होने का गौरव भी प्राप्त है, जिसे सृष्टि के शुभारम्भ 'आदि' एवं समाप्ति के अन्तिम बिन्दु 'अनादि' कहा गया है। क्योंकि यह नियंता,नियामक, संचालक एवं संहारक स्वरूप परम पिता भगवान शिव की नगरी है। फलतः यहॉ ज्ञान एवं मोक्ष की सात्विक तरंगे अदश्य रूप में हर पल प्राप्त है। वरूणा एवं असी नदी के मध्य स्थित होने के कारण इस भू–भाग को विश्वविदित ''वाराणसी'' नाम से संबोधन प्राप्त है। जहॉ वर्षपयंत लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते है। वाराणसी सभी तीर्थों में अपना विशेष महत्व रखता है, भगवान शंकर के आनन्द कानन काशी में संसार के सभी तीर्थों की व्यवस्था है यथा– नौ दुर्गा, नौ गौरी, एकादश विनायक, द्वादश आदित्य, अष्ट विनायक, अष्ट प्रधान विनायक, द्वादश ज्योर्तिलिंग, पंचचत्वारिंशत (45) विष्णु, चार धाम आदि यहीं स्थित है। अस्तु यहॉ तीर्थ करना समस्त तीर्थों के समतुल्य है।

तीर्थार्थी न बहिर्गच्छेन देवार्थी कदाचन।
सर्वतीर्थानि देवाश्च वसन्त्यत्रा विमुक्ते।।
अविमुक्तं समासाद्य न त्यजेन्मोक्षकामुकः ।।

(अर्थात तीर्थाटन तथा देवदर्शन के लिए भी काशी के बाहर नहीं जाना चाहिए। क्योंकि सम्पूर्ण तीर्थ एवं देवता काशी में विराजमान है। मोक्ष चाहने वालों को कभी भी अविमुक्त क्षेत्र काशी का परित्याग नहीं करना चाहिये)

(काशी का महात्म्य, पृष्ठ सं0 4)

विविधतापूर्ण पयटन गंतव्यों से परिपूर्ण वाराणसी देश–विदेश में अपनी धरोहरों, संस्कृति, इतिहास, ज्ञान, संगीत, योग इत्यादि के लिए प्रसिद्ध है। एक तीर्थ के रूप में वाराणसी का स्थान प्रमुख है। अतः यह आवश्यक हो जाता है कि यहॉ पयटकों की सुविधाओं को और अधिक विकसित किया जाए।

उक्त सभी तीर्थों/मंदिरों को एक परिपथ यथा पावन पथ के रूप में चिन्हित कर यहॉ पर्याप्त साइनेज, प्रचार–प्रसार, मार्गो का सुदढ़ोकरण व अन्य पयटन सुविधाओं को विकसित किए जाने की आवश्यकता है, जिससे यहॉ पर आने वाले श्रद्धालुओं/पयटकों को पर्याप्त सूचना मिल सके और वे सुगमता पूर्वक समस्त तीर्थो का पुण्य प्राप्त कर सके। पावन पथ के पयटन विकास से यहॉ आने वाले तीर्थ यात्रियों के रात्रि विश्राम की अवधि में वृद्धि होगी जिससे पयटन उद्योग से जुड व्यवसायों को लाभ प्राप्त होगा व आस–पास के लोगो का आर्थिक–सामाजिक उत्थान होगा।

अष्ट भैरव

1.रूरू भैरव		हनुमान घाट जूना अखाड़ा प्रांगण में।
2.चण्ड भैरव		कुष्माण्डा दुर्गा मन्दिर, परिसर मे काली माता की मूर्ति के बगल मे।
3.असितांग भैरव		महामृत्युंजय मन्दिर परिसर मे(वद्ध काल के घेरे में)
4. कोधन भैरव		कमच्छा देवी मन्दिर परिसर में।

5. कपाली भैरव		लाट भैरव मन्दिर, (लाट पर मस्जिद परिसर में) कज्जाकपुरा।
6. उन्मत्त भैरव		पंचकोशी प्रथम पड़ाव, कंदवा से 9 कि0मी0 दूर द्वितीय पडाव भीमचण्डी से पहले देउरा काशीपुरा ग्राम।
7. संहार भैरव		म0 सं0 ए–1/82 पाटन दरवाजा गायघाट ,वाराणसी।
8. भीषण भैरव		भूत भैरव मन्दिर, नक्खास।

9.काल भैरव (काशी कोतवाल)		मं0 नं0 के0 32/22 कालभैरव वाराणसी।
10.बटुक भैरव		कमच्छा।

अष्ट भैरव के अतिरिक्त काशी मे काल भैरव एवं बटुक भैरव का विशेष महात्मय है ।

नौ गौरी

1. मुखनिर्मलिका गौरी		गायघाट ,वाराणसी।
2. ज्येष्ठा गौरी		नक्खास, भूत भैरव वाराणसी।
3. सौभाग्य गौरी		चौक फूलमण्डी के बगल में आदिविश्वेश्वर मंदिर के अंदर।
4. श्रृंगार गौरी		अन्नपूर्णा मंदिर के निकट,ज्ञानवापी।

5. विशालाक्षी गौरी		डी /85 मीरघाट सरस्वती फाटक से अन्दर दाहिनी तरफ अन्दर गली में ।
6. ललिता गौरी		ललिता घाट ।
7. भवानी गौरी		अन्नपूर्णा मंदिर परिसर मे ।
8. मंगला गौरी		पंचगंगा घाट पर ऊपर दाहिनी तरफ गली में ।

9. महालक्ष्मी गौरी		लक्ष्मीकुण्ड,सिद्धिगिरीबाग।

नौ दुर्गा

1.शैलपुत्री		कज्जाकपुरा रेलवे कासिंग से सारनाथ मार्ग पर 1 किमी0 जाने पर पुराने पुल से 10 मी0 पहले बाऐं तरफ अन्दर गली में अलईपुर।
2ब्रह्मचारिणी		काल भैरव मंदिर के पीछे सब्जी मंडी से दाहिनी तरफ गली में।

3. चन्द्रघण्टा		चौक स्थित चित्रघण्टा गली में।
4. कुष्माण्डा		दुर्गाकुण्ड।
5. स्कन्द माता		J-6/34 ,जैतपुरा।
6. कात्यायनी		संकठा घाट स्थित आत्मा विरेश्वर के मंदिर में।

7. कालरात्रि	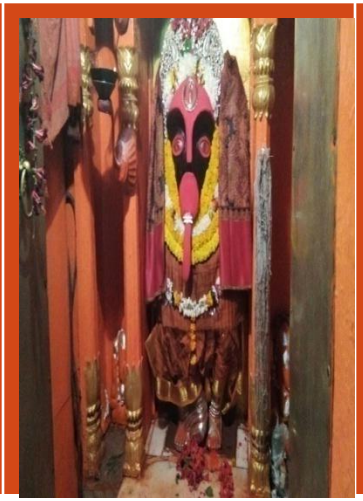	सरस्वती फाटक से अन्दर कालिका गली में।
8. महागौरी दुर्गा		अन्नपूर्णा मंदिर।
9. सिद्धिदात्री दुर्गा		k-60/29,सिद्धमाता गली, गोलघर।

द्वादश ज्योतिर्लिंग

1. सोमेश्वर		रश्मि गेस्ट हाउस के सामने मान मन्दिर घाट पर ।
2. मल्लिकार्जुन		होटल पूर्विका के सामने शीतला मन्दिर के बगल में सिगरा।
3. महाकालेश्वर		महामृत्युंजय मन्दिर परिसर मे(वद्ध काल के घेरे में)
4. ओंकारेश्वर		जलालीपुरा मस्जिद के सामने गली में ऊँचे टीले पर जलालीपुरा, मच्छोदरी।

5. वैद्यनाथ		बैजनत्था मोहल्ले में।
6. भीमाशंकर		काशी विश्वनाथ गेट नं0–2 काशी करवत मन्दिर ।
7. रामेश्वर		रश्मि गेस्ट हाउस के सामने डाल्फिन रेस्टोरेन्ट के पीछे मान मन्दिर घाट।
8. नागेश्वर		महामृत्युंजय मन्दिर परिसर मे(वद्ध काल के घेरे में)

9. विश्वेश्वर		काशी विश्वनाथ मन्दिर।
10. त्रयंबकेश्वर		के0सी0एम0 सिनेमा से दशाश्वमेध थाने की गली में 10 मीटर दूर गोदौलिया।
11. केदारेश्वर		केदार घाट।
12. घृष्णेश्वर		कमच्छा देवी मन्दिर परिसर में।

द्वादश आदित्य

1. द्रौपदादित्य		विश्वनाथ मन्दिर परिसर में अक्षयवट के नीचे ।
2. गंगादित्य		ललिता घाट नेपाली मन्दिर के नीचे मकान नं0 डी 1/68 में।
3. वृद्धादित्य		मीरघाट पर म0नं0 डी 3/15 में।
4. लौलार्कादित्य		लोलार्क कुण्ड ।

5. विमलादित्य		म0नं0 डी 35/273 में खाड़ीकुआॅ के समीप जंगमबाड़ी।
6. साम्बादित्य		सूर्यकुण्ड ।
7. उत्तर्राकाादित्य		बकरियाकुण्ड ।
8. केशवादित्य		म0नं0 ए 37/51 वरूणा आदि केशव मंदिर ।

9. खखोलकादित्य		म0नं0 डी 2/9 कामेश्वर महादेव,मच्छोदरी ।
10. अरूणादित्य		म0नं0 डी 2/80 त्रिलोचन महादेव मच्छोदरी ।
11. मयूखादित्य		म0नं0 24/34 में मंगलागौरी मन्दिर में खम्भे पर।
12. यमाादित्य		संकटाघाट के सीढी पर म0नं0 के 7/164 में चौतरे पर बाहर।

काशी के चार धाम

1. बद्री नारायण		मं0 नं0 ए–1–72 बद्री नारायण घाट ।
2. रामेश्वरम		श्री दशनाम जूना अखाडा प्रांगण मे हनुमानघाट।
3. जगन्नाथ		अस्सी घाट ।
4. द्वरिकाधीश	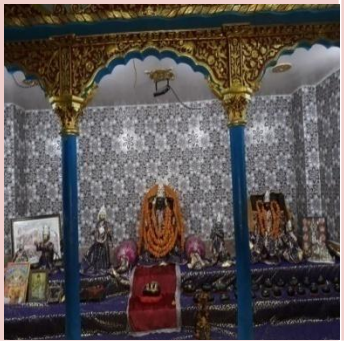	शंकुल धारा पोखरा ।

काशी के विष्णु

1. आदि केशव		राजघाट के पास वसन्ता कालेज से होते हुए वरूणा गंगा संगम।
2. नारद केशव		ए–10/78 प्रहलाद घाट पर शीतला मन्दिर में ।
3. प्रह्लाद केशव		ए–10/82,83 प्रहलाद घाट पर।
4. यज्ञ वाराह		मीरघाट पर हनुमान जी के मंदिर में ।

5. विदार नरसिंह		ए–10/82 प्रहलाद घाट पर ।
6. गोपी गोविन्द		के 4/24 गौरी शंकर मंदिर लालघाट ।
7. हयग्रीव केशव		बी –3/23 आनन्दमयी अस्पताल के बगल मे ।
8. बिन्दु माधव		म0नं0 के 22/33 पंचगंगा घाट।

9.श्वेत माधव		मीरघाट पर हनुमान जी के मंदिर में
10. प्रयाग माधव		म0नं0 डी 17/111 गंगा सेवा निधि के कार्यालय के बगल मे प्रयागराज घाट ।
11. गंगा केशव		म0न0डी01/68 नेपाली मन्दिर के नीचे।
12. बैकुंठ माधव	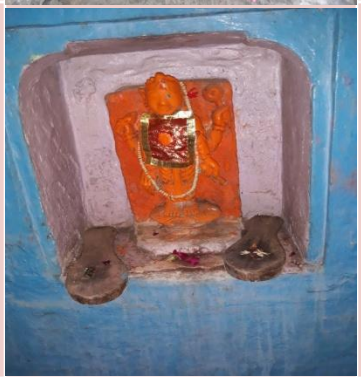	मकान नं0 सी0के0 7/165 सिन्धिया घाट के ऊपर ।

13. प्रचण्ड नरसिंह		जगन्नाथ मन्दिर प्रांगण अस्सीघाट।
14. अत्युग्र नरसिंह		सी0के0 –8/21 गोमठ।
15. कोलाहल नृसिंह		मकान नं0 सी0के0 8/189 वेद शिक्षा मन्दिर मे गोमठ के निकट।
16. विकटंक नरसिंह	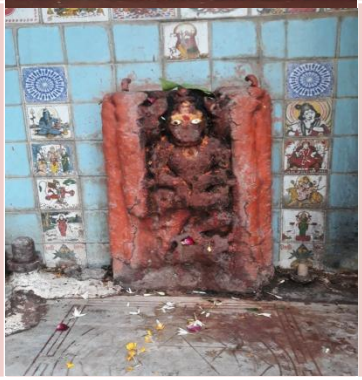	केदारेश्वर मन्दिर के सीढोयो पर ।

17. कोकावाराह		मकान नं0 सी0के0 7/124 सिद्धश्वरी मंदिर में।
18. धरणिवाराह		म0नं0 डी 17/111 गंगा सेवा निधि के कार्यालय के बगल में।

19.ताक्ष्य केशव, 20.आदित्य केशव, 21.आदि गदाधर, 22.शंख माधव, 23. निर्वाण केशव, 24.निर्वाण नरसिंह, 25.अनन्त वामन, 26.दधि वामन, 27. बलि वामन वर्तमान में इनकी मूर्ति लुप्त है। वाराणसी वैभव के अनुसार काशी में 45 विष्णु है। ताक्ष्य केशव से लेकर बलिवामन विष्णु की मूर्ति लुप्त है। विष्णु के शेष स्वरूप पर टैगिंग, फोटोग्राफी, मैपिंग आदि का काय किया जाना अभी शेष है।

काशी के विनायक (एकादश)

1. ढ़ंढिराज विनायक		काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य द्वार–1 पर।
2. हरिश्चन्द्र विनायक		मकान नं0 सी0के0 7/165सिन्धिया घाट के ऊपर।
3. कपर्दिविनायक		पिशाचमोचन कुंड ।
4. बिन्दुविनायक		पंचगंगा घाट पर बिंदू माधव मंदिर के पीछे।

5. सेना विनायक		संकठा घाट पर संकठा मंदिर के पीछे गली में
6. सीमा विनायक	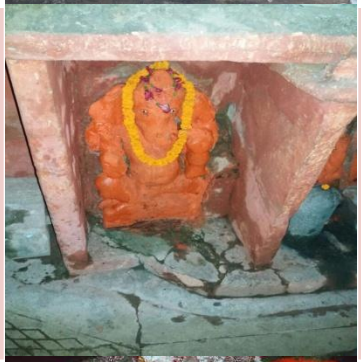	संकठा घाट पर संकठा मंदिर के पीछे गली में।
7. चिन्तामणि विनायक		गौरी केदार मंदिर के मार्ग में सोनारपुरा।
8. महाराज विनायक(बडा गणेश)		मैदागिन चौराहे के पास बडा गणेश मोहल्ले में।

9. मित्र विनायक		संकठा घाट पर संकठा मंदिर के पीछे गली में।
10. कुडिताक्ष (मंड)विनायक		लक्ष्मी कुंड के बगल में।
11. भगीरथ विनायक		ललिता घाट पर ।

अष्ट विनायक

1. अर्क विनायक		तुलसी घाट पर पम्प कैनाल के पास।
2. दुर्ग विनायक		दुर्गाकुण्ड ।
3. चण्डविनायक		पंचकोशी परिकमा मार्ग द्वितीय पडाव भीमचण्डी मन्दिर परिसर मे ।
4. देहली विनायक		पंचकोशी परिकमा मार्ग द्वितीय पडाव भीमचण्डी एवं रामेश्वरम मन्दिर के मध्य भठौली ग्राम मे।

5. उद्दण्ड विनायक		पंचकोशी परिकमा मार्ग द्वितीय पड़ाव भीमचण्डी एवं रामेश्वरम मन्दिर के मध्य रामेश्वरम् से1 कि0मी0 पहले भुईली ग्राम मे।
6. पाशपाणि विनायक		कैन्टोन्मेन्ट स्थित नेहरु पार्क से 100 मी0 आगे मल्टी परपज लॉन के सामने,कैन्टोन्मेन्ट ।
7. खर्व विनायक		मं0नं0 ए–37/52 राजघाट स्थित वसन्ता कालेज के बगल में।
8. सिद्ध विनायक		मणिकर्णिका कुण्ड के ऊपर सिढ़ियों पर।

अष्ट प्रधान विनायक

1. सिद्ध विनायक		मणिकर्णिका कुण्ड के ऊपर सिढ़ियों पर।
2. त्रिसन्ध्य विनायक		मकान नं0 सीके 1/40 लाहौरी टोला ,ललिता घाट।
3. आशा विनायक		मं0 नं0 डी 3/71 वृद्धादित्य के बगल मे मीरघाट ।
4. क्षिप्र प्रसादन विनायक		पिशाचमोचन कुंड के बगल में मुख्य सड़ेक पर।

5. ढ़ण्ढिराज विनायक		श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य द्वार –1
6. वकतुण्ड विनायक		मैदागिन चौराहे के पास बडा गणेश मोहल्ले में।
7. ज्ञान विनायक		श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में ।
8. अविमुक्त विनायक		श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में ।